

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-V

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु 'क'विभागतः सप्तानां प्रश्नानां 'ख'विभागतः त्रयाणां प्रश्नानां चोत्तरम् सुरगिरा देवनागरी लिपिमाश्रित्य देयम्। 2×10=20
- नीचेर प्रश्नोलिंर मध्ये 'क'विभाग थेके सातटि एवं 'ख'विभाग थेके तिनटि प्रश्नेर संस्कृत भाषाय देवनागरी लिपिते उत्तर दाओ।

'क'-विभागः

'क'-विभाग

- (a) 'अभिज्ञानशकुन्तलम्' इति पदस्य व्युत्पत्तिः विचार्या।
'अभिज्ञानशकुन्तलम्' पदतिर व्युत्पत्ति विचार करो।
- (b) शाकुन्तले प्रस्नावनायां नट्याः गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्।
अभिज्ञानशकुन्तले प्रस्तावनाय नटीर गानटि संस्कृते लेखो।
- (c) सुत्रधारमनुसृत्य निदाघर्तुः वर्णयताम्।
सूत्रधारेर अनुसरणे ग्रीष्मकालेर वर्णना दाओ।
- (d) 'दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः'— उक्तेरस्याः तातपर्यं विचार्यताम्।
'दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः'— एहि उक्तिर तातपर्यं विचार करो।
- (e) 'परमार्थेन न गृह्यतां वचः'— कस्योक्तिरियम्? कस्मिन् प्रसङ्गे उक्तिरियमभिहिता?
'परमार्थेन न गृह्यतां वचः'— उक्तिटि कार? कोन प्रसङ्गे एकथा वला ह्येच्छे?
- (f) शाकुन्तले तृतीयाङ्के गौतमीप्रवेशात् प्राक् नेपथ्ये किं श्रूयते?
अभिज्ञानशकुन्तले तृतीयाङ्के गौतमी आसार आगे नेपथ्ये की शोना यय?
- (g) शकुन्तलां प्रति काश्यपस्य कण्वस्य आशीर्वाणां लिखत।
शकुन्तलांर उद्देश्ये काश्यप कण्वेर आशीर्वाद लेखो।
- (h) आचार्यकण्ववचनमनुसृत्य कदा शकुन्तला पुनः तदाश्रमे आगमिष्यति?
आचार्य कण्वेर वचन अनुसारे शकुन्तला आवार कवे कथाश्रमे आसवेन?

- (i) को नाम करभकः? स नृपाय कां वार्ता ज्ञापितवान्?
करभक के? তিনি রাজাকে কী বার্তা শোনান?
- (j) 'श्रोतव्यमिदानीं संवृत्तम्' – केनोक्तमेतत्? एतादृशस्य वक्तव्यस्य कारणं किम्?
'श्रोतव्यमिदानीं संवृत्तम्' — একথা কে বলেছেন? এরূপ উক্তির কারণ কী?

'ख'-विभागः

'ख'-বিভাগ

- (a) महाकविभासविरचितं रामायणमाधारीकृत्य नाटकद्वयं किम्?
মহাকবি ভাস রচিত রামায়ণাশ্রিত দুটি নাটকের নাম লেখো।
- (b) कालिदासनाट्ये उल्लिखितानां तत्पूर्ववर्तिनी नाट्यकृतां नाम लिख्यताम्। कस्मिन् नाटके एतद् उपलभ्यते?
কালিদাসনাট্যে উল্লিখিত তাঁর পূর্ববর্তী নাট্যকারদের নাম লেখো। কোন্ নাটকে এর উল্লেখ আছে?
- (c) संस्कृतनाट्यसाहित्ये प्रकरणद्वयस्य नाम लिख्यताम्। तयोः प्रकरणयोः रचयितृनामापि देयम्।
সংস্কৃত নাট্যসাহিত্যের দুটি প্রকরণের নাম দাও। সেই প্রকরণ দুটির রচয়িতার নাম লেখো।
- (d) भवभूतिः कानि रूपकाणि विरचितवान्? तेषां नामानि लिखत।
ভবভূতি ক'টি নাটক লিখেছেন? সেগুলির নাম লেখো।
- (e) संस्कृतसाहित्ये राजनैतिकनाटकस्य नाम प्रदेयम्। को वा तस्य रचयिता?
সংস্কৃত সাহিত্যে রাজনৈতিক নাটকের নাম লেখো। তার রচয়িতার নাম কী?

2. अधःस्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्।

5×4=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতে লেখো।

- (a) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया।
নীচের যে কোনো একটির সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো।
ऊरूभङ्गम्; मृच्छकटिकम्; वेणोसंहारम्।
- (b) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः वङ्गभाषया अनुद्यताम्।
নীচের যে কোনো একটি শ্লোকের বাংলায় অনুবাদ করো।
(i) इदं किलाव्याजमनोहरं वपुस्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया शमीलतां छेतुमृषिर्व्यवस्यति।।
(ii) यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना—
—माविष्कृतोऽरूणपुरःसर एकतोऽर्कः।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवैष दशान्तरेषु।।
- (c) शकुन्तले प्रशमाङ्के हस्तिवृत्तान्तस्य नाटकीयं तात्पर्यं लिखत।
অভিজ্ঞানশকুন্তলে প্রথমাঙ্কে হস্তিবৃত্তান্তের তাৎপর্য লেখো।

- (d) अधोलिखितयोः श्लोकयोः अन्यतरः सुरगिरा व्याख्यायताम्।
नीचेर ये कोनो एकटि श्लोकेर संस्कृतभाषाय व्याख्या करो।
(i) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लाक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कतेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥
(ii) रम्याणि वीक्ष्य मधुरांश्च निशम्य शब्दान्
पर्युत्सुको भवति यत्सुखितोऽपि जन्तुः।
तच्चेतसा स्मरति नूनमबोधपूर्वं
भावस्थिराणि जननान्तरसौहृदानि॥
- (e) अधोलिखितयोः श्लोकांशयोः अन्यतरस्य सुरगिरा भवसम्प्रसारणं कुरुत।
नीचेर ये कोनो एकटि श्लोकांशेर संस्कृतभाषाय भावसम्प्रसारण करो।
(i) न प्रभातरलं ज्योतिरूदेति वसुधातलात्।
(ii) लभेत वा प्रार्थयिता न वा श्रियं
श्रिया दुरापः कथमीप्सितो भवेत्।
- (f) शाकुन्तले पञ्चमाङ्के हंसपदिकायाः सङ्गीतं संस्कृतेन लिख्यताम्। किं नाम तत्सङ्गीतस्य तात्पर्यम्? 1+4=5
अभिज्ञानशकुन्तले पञ्चमाङ्के हंसपदिकार गान संस्कृते लेखो। ए गानेर तात्पर्य व्याख्या करो।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः उत्तरं लिखत। 10×2=20
निम्नलिखित प्रश्नগুলির যে কোনো দুটির উত্তর দাও :
- (a) दुर्वाससः शापः लिख्यताम्। तस्य शापस्य नाटकीयतातपर्यं व्याख्यायताम्। 2+8=10
दुर्वासार शापटि लेखो। सेइ शापेर नाटकीय तात्पर्य व्याख्या करो।
- (b) अभिज्ञानशाकुन्तले को नाम कुलपतिः? तस्य चरित्रं वर्णयत। 2+8=10
अभिज्ञानशकुन्तले एइ नाटके कके कुलपति बले? महर्षि कश्चर चरित्र वर्णना करो।
- (c) शाकुन्तलनाटकस्य कः मूलोत्सः? तत्कथावस्तुनि कालिदासेन कानि कानि परिवर्तनानि विहितानि? कथं च? 10
अभिज्ञानशकुन्तलम नाटकेर उत्स की? तनि की की परिवर्तन साधन करेछेन? एवं केनो करेछेन?
- (d) श्रीहर्षस्य कानि रूपकानि भवन्ति? तेषां नाटकीयम् उत्कर्षम् प्रतिपादयतः। 10
श्रीहर्ष कटि रूपक रचना करेछेन? तौर नाटकीय उत्कर्ष आलोचना करो।